



ग्रामाभ्युदयादेव देशाभ्युदयः
गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कृषि मौसम विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय
पन्तनगर-263145 उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)
फोन नम्बर: 05944-233032



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन, जनपद – नैनीताल

उपमहानिदेशक (कृषि मौसम विज्ञान), भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे

निदेशक, मौसम केन्द्र, देहरादून

वर्ष: 28 अंक: 29 बुलेटिन अवधि: : 10-14 अप्रैल, 2019 दिन: मंगलवार दिनांक: 9 अप्रैल, 2019

मौसम पूर्वानुमान:

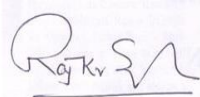
भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा संचालित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अन्तर्गत राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली द्वारा पूर्वानुमानित तथा मौसम केन्द्र, देहरादून द्वारा संसोधित पूर्वानुमानित मध्यम अवधि मौसम आँकड़ों के आधार पर कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित कृषि मौसम विज्ञान प्रक्षेत्र इकाई (AMFU), गो0ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा नैनीताल जिले के पर्वतीय व मैदानी क्षेत्रों में अगले पाँच दिनों में निम्न मौसम रहने की संभावना व्यक्त की जाती है :-

पूर्वानुमानित मौसम तत्व	मौसम पूर्वानुमान – नैनीताल				
	10/04/2019	11/04/2019	12/04/2019	13/04/2019	14/04/2019
वर्षा (मिमी0)	0	0	1	5	2
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	21	22	23	23	22
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	9	10	11	12	9
बादल आच्छादन	आंशिक बादल	आंशिक बादल	मध्यम बादल	मध्यम बादल	आंशिक बादल
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	75	75	80	85	80
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	35	35	40	45	40
वायु की औसत गति (कि0मी0 प्रतिघंटा)	004	006	008	008	008
वायु की दिशा	पूर्व-दक्षिण-पूर्व	उत्तर-पूर्व	पूर्व-दक्षिण-पूर्व	पूर्व-दक्षिण-पूर्व	पूर्व-दक्षिण-पूर्व

भारत मौसम विज्ञान विभाग के नैनीताल स्थित मौसम विज्ञान वेधशाला (समुद्रतल से ऊँचाई-2084 मीटर) के प्रेक्षणानुसार विगत सात दिनों (2 – 8 अप्रैल, 2019) में आसमान साफ रहने के मध्यम से घने बादल छाये रहे तथा अधिकतम तापमान 20.5 से 23.0 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 5.8 से 11.1 डि0से0 के बीच रहा। ऐसे अनुमानित मौसम में गो0ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर के वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र के कृषक भाइयों को सलाह दी जाती है कि इस मौसम में विभिन्न फसलों के लिए खेतों में निम्नानुसार कार्यक्रम अपनायें।

कृषि मौसम परामर्श

फसल	अवस्था	कृषि मौसम सलाह समिति द्वारा किसानों हेतु कृषि सलाह
गेहूँ		गेहूँ एवं जौ की बालियों का रंग सुनहरा हो जाए तथा बालियों के दाने कड़े हो जाए तब फसल की कटाई करें। कटाई के उपरांत फसल को 3-4 दिनों तक धूप में सुखाकर श्रैसर से मढ़ाई करें।
सॉवा (मादिरा/झंगुरा)	बुवाई	मध्यम पर्वतीय क्षेत्रों में, अप्रैल में सॉवा (मादिरा/झंगुरा) की प्रजातियों जैसे वी0एल0 मादिरा-172, वी0एल0 मादिरा-207 तथा पी0आर0जे01 की बुवाई पंक्ति से पंक्ति की दूरी 25से0मी0 एवं पौधे से पौधे की दूरी 10से0मी0 पर करें। जिसमें 8-10कि0ग्रा0/है0 बीज उपयुक्त होगा। नत्रजन, फास्फोरस व पोटेश का 40:20:20 के अनुपात में प्रयोग करें। जिसमें नत्रजन की आधी मात्रा एवं फास्फोरस तथा पोटेश की पूरी मात्रा का बुवाई के साथ प्रयोग करें। नत्रजन की शेष बची आधी मात्रा बुवाई के एक महीने बाद टॉप ड्रेसिंग के रूप में प्रयोग करें। झंगुरे की बुवाई के समय सड़ी हुई गोबर की खाद या कम्पोस्ट उपलब्ध हो तो 100 क्विंटल/है0 या 2 क्विंटल प्रति नाली की दर से खेत में अच्छी तरह मिला दें। यदि कम्पोस्ट उपलब्ध न हो तो वर्मीकम्पोस्ट 50 क्विंटल/है0 या 1 क्विंटल प्रति नाली की दर से प्रयोग करें।
मटर	तुड़ाई	घाटी क्षेत्रों में जहाँ मटर की फसल तैयार हो गयी हो में हरी फलियों की तुड़ाई करें।
मिर्च, शिमलामिर्च तथा बैंगन	रोपाई	प्रथम पखवाड़े तक मिर्च, शिमलामिर्च तथा बैंगन की रोपाई करें।
फ्रासबीन	बुवाई	सिंचित घाटी क्षेत्रों में सब्जी फ्रासबीन किस्म अर्का कोमल या कन्टेण्डर की बुवाई करें।
आलू	-	यदि आलू की फसल अंकुरित हो गयी है तथा 20-25 दिन की फसल हो तो उसमें यूरिया की टॉप ड्रेसिंग कर मिट्टी चढ़ाए। नमी संरक्षण हेतु नालियों में 8-10 से0मी0 पलवार पदार्थ की मोटी परत बिछा दें।
टमाटर, मिर्च	-	मिर्च व टमाटर की फसल में विषाणु जनित रोगों के नियंत्रण हेतु संक्रमित पौधों को निकालकर नष्ट कर दें।
उद्यान प्रबन्ध	-	नर्सरी में ग्राफिटिंग किये गये पौधों में मूल वृत्त से निकलने वाली शाखाओं को तोड़कर अलग करें। बगीचों में अधिक फल उत्पादन हेतु मधुमक्खियों से भरे बक्सों का प्रबन्ध लगभग 2-3 बक्से/एकड़ के हिसाब से करें।
पशुपालन	-	पटेरा रोग से बचाव हेतु प्रसव होने के 10 दिन पश्चात् 10-15 सी0सी0 नीम का तेल नवजात को पिला दें। तदुपरांत 10 दिन पश्चात् पुनः 10-15 सी0सी0 नीम का तेल पिला दें। बधुए का तेल इसका रामबाण इलाज है।



डा० आर० के० सिंह
प्राध्यापक एवं प्रिंसिपल नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,
गो.ब. पन्त कृषि एवं प्रौद्यो. विश्वविद्यालय, पन्तनगर